

"भारतीय नागरिकों की वित्तीय योजनाओं और रणनीतियों में सामाजिक जागरूकता का विश्लेषण"

डॉ. दीक्षा बर्दे

सहायक प्राध्यापक , बाबूलाल गौर
सरकारी स्नातकोत्तर कॉलेज, भेल भोपाल, मध्य प्रदेश

परिचय -

इस अध्ययन में हम भारत में एक वित्तीय सलाहकार कार्यक्रम के आधार पर वित्तीय साक्षरता और वित्तीय नियोजन व्यवहार के बारे में निष्कर्षों की रिपोर्ट करते हैं। हम वित्तीय साक्षरता को मापने के लिए पहले इस्तेमाल किए गए तीन मानक प्रश्नों के सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन करते हैं। फिर हम विशेष जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक समूहों में डेटा को विभाजित करते हैं और प्रतिक्रियाओं की तुलना करते हैं। अंत में, हम कार्यक्रम प्रतिभागियों के निवेश व्यवहार, देयता विकल्प, जोखिम सहनशीलता और बीमा उपयोग की जांच करते हैं। हम पाते हैं कि उत्तरदाताओं का विशाल बहुमत ब्याज दरों (संख्यात्मकता), मुद्रास्फीति और जोखिम/विविधीकरण से संबंधित प्रश्नों के उनके उत्तरों के आधार पर वित्तीय रूप से साक्षर प्रतीत होता है। हालाँकि, हम जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक समूहों में भिन्नता पाते हैं। हम कार्यक्रम प्रतिभागियों की वित्तीय प्रवृत्तियों (जोखिम सहनशीलता, निवेश प्राथमिकताएँ, निवेश लक्ष्य, आदि सहित) के बारे में अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने और उन प्रवृत्तियों को वित्तीय साक्षरता से जोड़ने में भी सक्षम हैं। कीवर्ड: वित्तीय साक्षरता, सामाजिक जागरूकता, रणनीतियाँ, भारतीय, नागरिक आज के गतिशील कारोबारी माहौल में, संगठनों के लिए अपने व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने और दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए प्रभावी वित्तीय प्रबंधन रणनीतियाँ महत्वपूर्ण हैं।

भारत में, जहाँ बाजार तेजी से विकसित हो रहा है, कंपनियों को चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता है।

यह व्यापक मार्गदर्शिका विभिन्न वित्तीय प्रबंधन रणनीतियों, उनके महत्व और उन्हें भारतीय व्यवसायों में कैसे लागू किया जा सकता है, इसकी वित्तीय प्रबंधन रणनीतियाँ कई कारणों से आवश्यक हैं:

व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करना: वे वित्तीय संसाधनों को व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि संगठन अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त कर सकता है।

वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना: उचित वित्तीय प्रबंधन एक स्थिर वित्तीय स्थिति बनाए रखने में मदद करता है, जिससे दिवालियापन का जोखिम कम होता है।

लाभप्रदता बढ़ाना: प्रभावी वित्तीय रणनीतियाँ राजस्व सृजन और लागत प्रबंधन को अनुकूलित करके लाभप्रदता में सुधार कर सकती हैं।

विकास का समर्थन करना: रणनीतिक वित्तीय नियोजन यह सुनिश्चित करके व्यवसाय के विकास का समर्थन करता है कि विस्तार और विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं।

रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन के प्रमुख घटक

रणनीतिक नियोजन एक संगठन की दिशा को परिभाषित करने और इस दिशा को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों को आवंटित करने पर निर्णय लेने की प्रक्रिया है।

रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन में कई प्रमुख घटक शामिल हैं:[1,2,3]

1. रणनीतिक योजना

रणनीतिक नियोजन एक संगठन की दिशा को परिभाषित करने और इस दिशा को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों को आवंटित करने पर निर्णय लेने की प्रक्रिया है। इसमें रणनीतिक उद्देश्य निर्धारित करना, प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI) की पहचान करना और इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक रणनीतिक योजना विकसित करना शामिल है। 2. वित्तीय योजना वित्तीय योजना में एक व्यापक वित्तीय योजना बनाना शामिल है जो यह रेखांकित करती है कि संगठन अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपने वित्तीय संसाधनों को कैसे आवंटित करेगा। इसमें बजट बनाना, पूर्वानुमान लगाना और नकदी प्रवाह प्रबंधन शामिल है। 3. वित्तीय विवरण विश्लेषण कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन को समझने के लिए वित्तीय विवरणों का विश्लेषण।

दीर्घकालिक निधि प्रबंधन

दीर्घकालिक निधि प्रबंधन संगठन के वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि स्थिरता सुनिश्चित हो सके और दीर्घकालिक विकास को समर्थन मिल सके।

इसमें निवेश योजना, पूंजी बजट और ऋण प्रबंधन शामिल हैं।

भारतीय व्यवसायों के लिए वित्तीय प्रबंधन रणनीतियाँ

स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य निर्धारित करना किसी भी वित्तीय प्रबंधन रणनीति की नींव है। ये उद्देश्य विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध (स्मार्ट) होने चाहिए।

1. रणनीतिक उद्देश्य निर्धारित करना

- स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य निर्धारित करना किसी भी वित्तीय प्रबंधन रणनीति की नींव है।
- ये उद्देश्य विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध (स्मार्ट) होने चाहिए।
- उन्हें संगठन के समग्र व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ संरेखित करना चाहिए और वित्तीय योजना और निर्णय लेने के लिए एक स्पष्ट दिशा प्रदान करनी चाहिए।

2. रणनीतिक योजना विकसित करना

रणनीतिक योजना संगठन द्वारा अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार करती है। इसमें विस्तृत कार्य योजनाएँ, संसाधन आवंटन और समयसीमाएँ शामिल हैं। योजना को बदलती बाज़ार स्थितियों और व्यावसायिक ज़रूरतों के अनुकूल होने के लिए लचीला होना चाहिए।

3. बजट बनाना और पूर्वानुमान लगाना[2,3,4]

- बजट बनाना और पूर्वानुमान लगाना वित्तीय नियोजन के आवश्यक घटक हैं।
- बजट बनाने में एक विशिष्ट अवधि में संगठन की आय और व्यय के लिए एक विस्तृत योजना बनाना शामिल है।
- पूर्वानुमान लगाने में ऐतिहासिक डेटा और बाज़ार के रुझानों के आधार पर भविष्य के वित्तीय प्रदर्शन की भविष्यवाणी करना शामिल है।

ये प्रक्रियाएँ यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि संगठन के पास अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करने और अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। 4. नकदी प्रवाह प्रबंधन वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रभावी नकदी प्रवाह प्रबंधन महत्वपूर्ण है। इसमें नकदी प्रवाह और बहिर्वाह की निगरानी करना शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन के पास अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नकदी है। इसमें प्राप्य खातों, देय खातों और इन्वेंट्री स्तरों का प्रबंधन शामिल है। 5. निवेश योजना निवेश योजना में रिटर्न उत्पन्न करने के लिए संगठन के वित्तीय संसाधनों को आवंटित करने के तरीके के बारे में सूचित निर्णय लेना शामिल है। इसमें विभिन्न निवेश अवसरों का मूल्यांकन, जोखिम का आकलन और एक निवेश रणनीति विकसित करना शामिल है जो संगठन के वित्तीय लक्ष्यों के साथ संरेखित हो। 6. जोखिम प्रबंधन जोखिम प्रबंधन में वित्तीय जोखिमों की पहचान, आकलन और उन्हें कम करना शामिल है जो संगठन के वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। इसमें बाजार जोखिम, ऋण जोखिम, परिचालन जोखिम और तरलता जोखिम शामिल हैं। प्रभावी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने से संगठन के वित्तीय संसाधनों की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। वित्तीय उपकरण और तकनीक वित्तीय अनुपात का उपयोग संगठन के वित्तीय

प्रदर्शन और स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता है। सामान्य अनुपातों में लाभप्रदता अनुपात, तरलता अनुपात, शोधन क्षमता अनुपात और दक्षता अनुपात शामिल हैं

कई वित्तीय उपकरण और तकनीक रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन का समर्थन कर सकते हैं: 1. वित्तीय अनुपात वित्तीय अनुपात का उपयोग संगठन के वित्तीय प्रदर्शन और स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता है। सामान्य अनुपातों में लाभप्रदता अनुपात, तरलता अनुपात, शोधन क्षमता अनुपात और दक्षता अनुपात शामिल हैं। ये अनुपात संगठन के वित्तीय स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। 2. प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI) KPI ऐसे मीट्रिक हैं जिनका उपयोग संगठन की रणनीतिक उद्देश्यों की दिशा में प्रगति को मापने के लिए किया जाता है। सामान्य वित्तीय KPI में राजस्व वृद्धि, लाभ मार्जिन, निवेश पर वापसी (ROI) और ब्याज और करों से पहले की आय (EBIT) शामिल हैं। KPI को ट्रैक करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि संगठन अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही रास्ते पर है। 3. वित्तीय सॉफ्टवेयर वित्तीय सॉफ्टवेयर बजट, पूर्वानुमान, निवेश योजना और वित्तीय विश्लेषण के लिए उपकरण प्रदान करता है।

भारत में लोकप्रिय वित्तीय नियोजन सॉफ्टवेयर में टैली, क्लिकबुक और ज़ोहो बुक्स शामिल हैं। ये उपकरण वित्तीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निर्णय लेने में सुधार करने में मदद करते हैं।

वित्तीय सलाहकारों की भूमिका

वित्तीय सलाहकार रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वे वित्तीय नियोजन, निवेश रणनीतियों और जोखिम प्रबंधन पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान करते हैं।[4,5,6]

वित्तीय सलाहकार संगठनों को सूचित निर्णय लेने और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीति विकसित करने में मदद करते हैं।

संपत्ति नियोजन:

वित्तीय प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण घटक संपत्ति नियोजन वित्तीय प्रबंधन का एक अनिवार्य पहलू है जिसमें मृत्यु के बाद परिसंपत्तियों के हस्तांतरण की तैयारी शामिल है। संपत्ति नियोजन वित्तीय प्रबंधन का एक अनिवार्य पहलू है जिसमें मृत्यु के बाद परिसंपत्तियों के हस्तांतरण की तैयारी शामिल है। यह सुनिश्चित करता है कि परिसंपत्तियों को व्यक्ति की इच्छा के अनुसार वितरित किया जाए और कानूनी जटिलताओं से बचने में मदद करता है। संपत्ति नियोजन का महत्व संपत्ति वितरण: यह सुनिश्चित करता है कि परिसंपत्तियों को व्यक्ति की इच्छा के अनुसार वितरित किया जाए। कर दक्षता: संपत्ति करों को कम करने और संपत्ति के मूल्य को अधिकतम करने में मदद करता है। कानूनी सुरक्षा: लाभार्थियों के लिए कानूनी

सुरक्षा प्रदान करता है और परिसंपत्तियों के सुचारू हस्तांतरण को सुनिश्चित करता है। संपत्ति नियोजन के लिए उपकरण वसीयत और ट्रस्ट: कानूनी दस्तावेज जो बताते हैं कि परिसंपत्तियों को कैसे वितरित किया जाएगा। पावर ऑफ अटॉर्नी: एक कानूनी दस्तावेज जो किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कार्य करने का अधिकार देता है। लाभार्थी पदनाम: यह निर्दिष्ट करता है कि मृत्यु के बाद संपत्ति किसे मिलेगी। वित्तीय प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना वित्तीय प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने में पहला कदम संगठन की वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन करना है। 1. वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन वित्तीय प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने में पहला कदम संगठन की वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन करना है। इसमें वित्तीय विवरणों का विश्लेषण, नकदी प्रवाह की समीक्षा और वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करना शामिल है। वर्तमान वित्तीय स्थिति को समझने से सुधार के क्षेत्रों और विकास के अवसरों की पहचान करने में मदद मिलती है।

अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बचत में सटीकता आवश्यक है। आय नियोजन वित्तीय नियोजन का एक हिस्सा है जो उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी देता है और यह बताता है कि आपकी बकेट लिस्ट में विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उन्हें कैसे आवंटित किया जाना चाहिए। बेहतर वित्तीय प्रबंधन बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए, एक वित्तीय योजना एक परम आवश्यकता है। यह आपकी वर्तमान आय और व्यय पर विचार करते हुए आपके भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक रोड मैप निर्धारित करता है। आपके खर्चों और करों के साथ आपके वित्त पर आपका नियंत्रण होगा। जोखिम प्रबंधन जोखिम प्रबंधन वित्तीय योजना का एक महत्वपूर्ण तत्व है। यह बाजार की अस्थिरता का प्रबंधन करता है, आपकी संपत्तियों की सुरक्षा करता है और पूंजी क्षरण को रोकता है। यह आपको अवसरों को भुनाने और सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। अधिकतम रिटर्न आपके लक्ष्यों और जोखिम की भूख को संतुष्ट करने वाली निवेश योजना के साथ, एक वित्तीय योजना रिटर्न को अधिकतम करती है। जोखिम मूल्यांकन के माध्यम से, एक वित्तीय योजना संभावित जोखिमों को संतुलित करने और नुकसान को कम करने के लिए उचित निवेश करने में सक्षम बनाती है। वित्तीय सुरक्षा

एक वित्तीय योजना लक्ष्य निर्धारित करती है, बजट बनाती है, आपातकालीन निधि बनाती है, और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से संरचित निवेश योजनाएँ बनाती है। यह वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है और आपको किसी भी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार करती है।

मन की शांति

वित्तीय नियोजन का एक प्रमुख लाभ सुरक्षित भविष्य है। जब आपके पास अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन होगा तो आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। आपको भविष्य में आने वाली अनिश्चितताओं के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं होगी, क्योंकि समझदार

वित्तीय नियोजन के उद्देश्य वित्तीय नियोजन आपको एक रणनीति के साथ अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है जो आपके वित्त को सही दिशा में ले जाता है। वित्तीय योजना बनाने के मूल उद्देश्य हैं: धन सृजन यह आपके दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए धन सृजन में मदद करता है। जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करता है और जोखिम को संतुलित करने और नुकसान को कम करने के लिए तदनुसार निवेश को समायोजित करने में मदद करता है। सेवानिवृत्ति योजना यह सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक कोष बनाने और एक नियमित आय धारा बनाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं में निवेश करने में मदद करता है। उचित वित्तीय नियोजन के साथ सेवानिवृत्ति योजना को वास्तव में बढ़ाया जा सकता है। कर नियोजन यह कर कानूनों को समझने और आयकर अधिनियम 1961 की विभिन्न धाराओं के तहत लाभ प्राप्त करने और समग्र कर देयता को कम करने के लिए कर-कुशल निवेश करने में मदद करता है। परिणाम

वित्तीय नियोजन के प्रकार

वित्तीय नियोजन आपके भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है, जिसमें निवेश, कर बचत, सेवानिवृत्ति, शिक्षा आदि शामिल हैं। इनके आधार पर, वित्तीय नियोजन के कुछ सामान्य प्रकार हैं:

निवेश नियोजन: निवेश नियोजन के अंतर्गत भविष्य के निवेश के लिए रणनीति बनाई जाती है। आप निवेश के प्रकार और अपने इच्छित निवेश के अनुपात की योजना बना सकते हैं। आप अपने फंड को म्यूचुअल फंड, एनपीएस, ईएलएसएस आदि जैसे विभिन्न निवेश साधनों में आवंटित कर सकते हैं।

कर नियोजन: वित्तीय नियोजन आपके कर संबंधी मुद्दों को हल करने में भी मदद करता है।

कर नियोजन के अंतर्गत कर देयता को कम करने के लिए वित्तीय रणनीति बनाई जाती है। अधिकतम कर बचत के लिए, आप निश्चित निवेश में निवेश करने की योजना बना सकते हैं

बजट तैयार करना: वित्तीय नियोजन आपको व्यक्तिगत बजट तैयार करने में मदद करता है जो आपकी वित्तीय योजना के अनुकूल हो। यह आपको अपनी आय और व्यय पर नज़र रखने में सक्षम बनाता है और आपके खर्चों को कम करता है। वर्तमान वित्तीय स्थिति निर्धारित करें: वित्तीय नियोजन आपकी वर्तमान आय, व्यय और देनदारियों का विश्लेषण करके आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति निर्धारित करने में मदद करता है। यह आपके भविष्य के लक्ष्यों पर विचार करता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए एक निवेश योजना बनाने में आपकी मदद करता है। वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करना: यह आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों की पहचान करने में मदद करता है। इन लक्ष्यों में सेवानिवृत्ति बचत, घर खरीदना या बनाना, बच्चों की शिक्षा या विवाह आदि शामिल हो सकते हैं। वित्तीय योजनाएँ स्थापित करना: वित्तीय नियोजन आपको अपने अल्पकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई करने की अनुमति देता है। यह

विभिन्न निवेश रणनीतियों को निर्धारित करता है जिनका उपयोग आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। वित्तीय योजनाओं की समीक्षा करें: अपनी वित्तीय योजनाओं की नियमित रूप से निगरानी करना अनिवार्य है ताकि यह आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संरेखित हो। वित्तीय नियोजन आपको अपने पोर्टफोलियो प्रदर्शन की समीक्षा करने में मदद करता है। वित्तीय नियोजन: महत्व और लाभ हम सभी के पास उन चीजों की एक लंबी सूची होती है जो हम अपने पैसे से करना चाहते हैं। इसमें टैक्स बचाना, नवीनतम स्मार्टफोन, लैपटॉप, कार और संपत्ति खरीदना, बच्चों की शिक्षा के लिए बचत करना, सेवानिवृत्ति योजना बनाना आदि शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अक्सर ऐसा होता है कि हमारे पास जो पैसा होता है वह हमारे सभी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होता है।

आपातकाल के लिए तैयार रहने में मदद करता है आपातकालीन निधि बनाना वित्तीय नियोजन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। आपातकालीन निधि के साथ, आप सुनिश्चित करते हैं कि आपके पास पर्याप्त धन है जो आपके मासिक खर्चों के कम से कम 9-12 महीनों तक जीवित रहने में मदद कर सकता है। इस तरह, आपको किसी भी पारिवारिक आपात स्थिति, वेतन में कटौती या नौकरी छूटने की स्थिति में पैसे की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। सही बीमा कवर की गणना करने में मदद करता है टर्म इंश्योरेंस और स्वास्थ्य बीमा क्रमशः दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु और स्वास्थ्य आपातकाल के मामले में बेहद उपयोगी हैं। लेकिन जो महत्वपूर्ण है वह है सही बीमा कवर लेना। एक वित्तीय योजना आपकी आय, व्यय, ऋण, ज़िम्मेदारियों आदि जैसे कई कारकों को ध्यान में रखेगी और आपको सही बीमा कवर तय करने में मदद करेगी। बेहतर कर नियोजन हम में से कई लोग अपने वेतन का एक बड़ा हिस्सा कर के रूप में देते हैं। लेकिन कर व्यय को कम करने के कानूनी तरीके भी हैं। दरअसल, भारतीय आयकर अधिनियम

बचाए गए कर से संपत्ति बनाने के लिए विभिन्न निवेश विकल्प प्रदान करता है।

लेकिन ज्यादातर लोग कर-बचत

निवेश करने की गलती करते हैं जो उनके लक्ष्यों के अनुरूप नहीं होते। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वे कर नियोजन को वित्तीय योजना का हिस्सा नहीं मानते। अपने करों की पहले से योजना बनाकर, आप उपयुक्त कर-बचत उत्पादों की पहचान कर सकते हैं,

अपनी कर योग्य आय को कम कर सकते हैं और लंबी अवधि के लिए संपत्ति बना सकते हैं।

वित्तीय नियोजन आपके वित्त के कई गतिशील हिस्सों का ख्याल रखता है।

आपके पास अपने पैसे का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त धन है। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से निपटने के लिए बीमा है। और आपके पास

दीर्घकालिक और मध्यम अवधि के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक योजना है।

संदर्भ :-

- 1) मेग्स, वाल्टर बी. और रॉबर्ट एफ. वित्तीय लेखा, चौथा संस्करण. (मैकग्रा-हिल बुक कंपनी, 1970) पृष्ठ 187-188.
- 3) बैरोन का वित्त, चौथा संस्करण, 2000, पृष्ठ 578.
- 4) [रोनेट सैंटोस, वित्तीय सलाहकार - रेनो, एनवी 89501 | नॉर्थवेस्टर्न म्यूचुअल वित्तीय सलाहकार]
- 5) "एक व्यवसाय जोखिम दृष्टिकोण की लेखा परीक्षा", 8 संस्करण, 2010
- 6) "एक व्यवसाय जोखिम दृष्टिकोण की लेखा परीक्षा", 8 संस्करण, 2010, पृष्ठ 892.
- 7) "एक व्यवसाय जोखिम दृष्टिकोण की लेखा परीक्षा", 8 संस्करण, 2010
- 8) "पेशेवर आचरण के मानक". प्रमाणित वित्तीय योजनाकार बोर्ड ऑफ स्टैंडर्ड्स. संशोधित जनवरी 2010. पुनः प्राप्त 2011-09-24.
- 9) सिड मित्रा, आनंदी पी. साहू, रॉबर्ट ए. केन. "पेशेवरों के लिए वित्तीय योजना का अभ्यास करना" (व्यवसायी संस्करण),
- 10वां संस्करण. (रोचेस्टर हिल्स पब्लिशिंग, इंक., 2007) खंड 1-3. 10) एसेट इनसाइट्स. "योजना क्षितिज". एसेट इनसाइट्स, 2000-2013. 3 मार्च 2014 को पुनःप्राप्त.
- 11) जॉर्डन, स्टीफन ए. रॉस, रैंडोल्फ डब्ल्यू. वेस्टरफील्ड, ब्रैडफोर्ड डी. (2010). कॉर्पोरेट वित्त के मूल सिद्धांत (9वां संस्करण, मानक संस्करण). बोस्टन: मैकग्रॉ-हिल इरविन. पृ. 89. आईएसबीएन 9780073382395.
- 12) वित्तीय योजना गाइड "भारतीय नागरिकों की वित्तीय योजनाओं और रणनीतियों में सामाजिक जागरूकता का विश्लेषण"